Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 10 , 01 अक्टुबर, रविवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

प्रार्थनाओं ने मुझे अपहर्ताओं के कष्ट से बचा लिया : फादर टॉम

बेंगलूरू। संघर्ष-ग्रस्त यमन में 18 महीने तक संदिग्ध रूप से आईएसआईएस द्वारा बंधक बना कर रखे गये फादर टॉम उजहन्नालिल ने कहा है कि लोगों की प्रार्थनाओं की ताकत ने अपहर्ताओं के हृदय को परिवर्तित कर दिया और उन्होंने मुझे चोट नहीं पहुंचाया और साथ ही मुस्लिम के पवित्र महीने रमजान में खाना दिया। शुक्रवार रात अपने सम्मान में आयोजित एक स्वागत समारोह में उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि लोगों की प्रार्थना और उनके त्याग ने मेरे अपहर्ताओं का हृदय परिवर्तन कर दिया और उन्हें मुझे चोट पहुंचाने से रोका...मैं आश्वस्त हूं कि ईश्वर ने कुछ किया।'' वेटिकन सिटी में आराम और स्वास्थ्य लाभ के बाद 59 वर्षीय कैथोलिक पादरी मंगलवार को दिल्ली वापस लौटे। उन्होने 28 सितंबर को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज से मुलाकात की। मोदी के साथ अपनी मुलाकात पर फादर टॉम ने कहा, ''प्रधानमंत्री के साथ बातचीत का सबसे दिलचस्प हिस्सा वह रहा जब उन्होंने कहा कि अब आप आजाद हैं और आपको मजबूत होना चाहिए और लोगों की सेवा करनी चाहिए।'

कुवैत ने 15 भारतीयों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदला : सुषमा

नई दिल्ली।विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने आज बताया कि कुवैत के अमीर ने कुवैती जेल में बंद 15 भारतीयों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया है। सुषमा ने बताया कि कुवैत के अमीर ने 119 भारतीय नागरिकों की सजा को भी कम करने का निर्देश दिया। उन्होंने ट्वीट किया, ''कुवैत के अमीर को 15 भारतीय नागरिकों की मौत की सजा को उम्रकैद में तब्दील कर प्रसन्नता हुई है।'' सुषमा ने भी कुवैत के अमीर के ''उदार'' प्रदर्शन पर शुक्रिया अदा किया और कहा कि देश में भारतीय दूतावास जेल से रिहा होने वाले भारतीय नागरिकों को सहायता प्रदान करेगा।

तमिलनाडु, बिहार, अरुणाचल, मेघालय को मिले नए राज्यपाल

नई दिल्ली। बनवारी लाल पुरोहित को आज तमिलनाडु का राज्यपाल नियुक्त किया गया जबकि सत्यापल मलिक बिहार के नए राज्यपाल होंगे। जगदीश मुखी असम के राज्यपाल के तौर पर पुरोहित का स्थान लेंगे। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा अरुणाचल प्रदेश और मेघालय के राज्यपाल तथा अंडमान और निकोबार द्वीप के उपराज्यपाल समेत पांच राज्यपालों की नियुक्ति की आज घोषणा की गई। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी विद्यासागर राव के पास तमिलनाडु के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार था और दक्षिणी राज्य में राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर पूर्णकालिक राज्यपाल की नियुक्ति की मांग की गई थी।

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, एडमिरल (सेवानिवृत्त) देवेंद्र कुमार जोशी अंडमान और निकोबार द्वीप के उपराज्यपाल होंगे। वह मुखी का स्थान लेंगे। बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य गंगा प्रसाद को मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बीडी मिश्रा अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल होंगे।

बिहार में दशहरा श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

पटना। असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयादशमी का पर्व शनिवार को बिहार में पूरे श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित सामारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में लंका दहन के साथ ही रावण, मेघनाद और कुम्भकरण के पुतलों का भी दहन किया गया। समारोह में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय भी उपस्थित थे। इससे पूर्व चौधरी ने भगवान राम और लक्ष्मण की आरती उतारी। उधर वर्ष 2014 में रावण वध के बाद हुए हादसे से सबक लेते हुए इस बार गांधी मैदान में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किएगए थे। समारोह को देखने के लिए पटना और उसके आस पास के इलाके से बड़ी संख्या में लोग गांधी मैदान में एकत्र हुए थे और सभी इस बार के इंतजाम से काफी संतुष्ट थे। सुरक्षा के लिए सभी गेट पर पुलिस के जवान तैनात थे। पुतला दहन के बाद सभी गेट को खोल दिया गया था ताकि लोग आराम से अपने घर को लौट सकें। राज्य के अन्य जिला मुख्यालयों से भी इस अवसर पर रावण, मेघनाद और कुभकरण के पुतलों के दहन के समाचार मिल रहें हैं। कुछ स्थानों से दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन के भी समाचार प्राप्त हुए हैं। राज्य पुलिस मुख्यालय के मुताबिक अभी तक कही से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है।

सरकार प्रदूषण जनित समस्याओं के निराकरण के लिए कटिबद्ध

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार जन स्वास्थ्य की सुरक्षा एवं प्रदूषण जनित समस्याओं के प्रभावशाली ढंग से निराकरण के लिए कटिबद्ध है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में पर्यावरणीय समस्याओं के निदान में जन जागरूकता उत्पन्न करने के लिए विभिन्न दिवसों पर पर्यावरण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कराया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि फसल कटाई के बाद कृषि अवशेषों को खेतों में जलाये जाने के कारण मानव जीवन, अन्य प्राणियों एवं भूमि की उर्वरा शक्ति पर पडने वाले प्रतिकूल प्रभाव तथा वायु प्रदूषण को देखते हुए प्रतिबंधित कर दिया गया है।

रोहिंग्याओं पर फैसले से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखें : भागवत

जबलपुर (एजेंसी)।

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार से देश में शरण लिए हुए रोहिंग्या समुदाय के लोगों पर कोई निर्णय लेने से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखने को कहा है। भागवत ने आज वार्षिक दशहरा आयोजन को संबोधित करते हुए कहा, ''हम अवैध बांग्लादेशी शरणार्थियों की समस्याओं से जूझते आ रहे हैं और अब रोहिंग्या समुदाय के लोग देश में घुस आए हैं।'' उन्होंने कहा कि रोहिंग्या समुदाय के लोगों को शरण देने से न सिर्फ हमारे रोजगार ढांचें पर दबाव पडेगा बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न होगा।

अपने संबोधन में आरएसएस प्रमुख ने म्यामां के हिंसाग्रस्त रखाइन प्रांत से भागे लोगों का जिक्र करते हुए कहा, ''रोहिंग्याओं के संबंध में कोई भी निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरे को ध्यान में रखते हुए लिया जाना चाहिए।'' कश्मीर के मुद्दे पर भागवत ने कहा कि 1990 में कश्मीर घाटी से विस्थापित हुए लोगों की समस्याओं को हल किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा, ''संविधान में आवश्यक संशोधन किए जाने चाहिए और उस मामले में पुराने प्रावधानों को बदला जाना चाहिए।''

आरएसएस प्रमुख ने जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को लक्ष्य करते हुए कहा, ''एक बार संविधान में संशोधनों के बाद ही जम्मू कश्मीर के निवासियों को शेष भारत के साथ सम्मिलित किया जा सकता है।'' भागवत ने गौ रक्षकों के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा, 'यह निंदनीय है कि कुछ लोगों की गौरक्षकों द्वारा कथित रूप से हत्या कर दी गई। और उस के साथ ही बहुत सारे लोग गौ तस्करों के हाथों मारे गए।' उन्होंने कहा कि गौ रक्षा का मुद्दा धर्म से परे है ''अनेक मुसलानों ने बजरंग दल के लोगों की ही तरह गौ रक्षा के लिए अपनी जानें कुर्बान की हैं।'' आर्थिक हालात के बारे में भागवत ने कहा लघु, मध्यम उद्योगों और कारोबारों के हितों की रक्षा की जानी चाहिए क्योंकि ये अर्थ व्यवस्था में ''सबसे बड़ा योगदान'' देते हैं। उन्होंने शुक्रवार को भगदड़ में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''हम सब मुंबई हादसे में मारे गए और घायल हुए अपने भाइयों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवानी और नितिन गडकरी भी मौजूद थे।

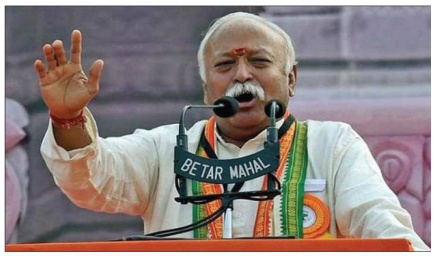

जनहित की रक्षा के लिए शिवसेना सरकार में बनी रहेगी : सामना

मुंबई। महाराष्ट्र में भाजपा नीत सरकार से शिवसेना के हटने की अटकलों को खारिज करते हुए शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' ने आज कहा कि पार्टी ''जनता के हितों को रक्षा के लिए सत्ता में बनी रहेगी।'' भाजपा के साथ शिवसेना के तल्ख रिश्तों में तब और तनाव आ गया था जब उसके सांसद संजय राउत ने हाल में कहा कि उनकी पार्टी जल्द ही फैसला करेगी कि उसे महाराष्ट्र में फडणवीस नीत गठबंधन सरकार में रहना है या नहीं। बहरहाल, पार्टी मुखपत्र 'सामना' में आज के संपादकीय में कहा गया है कि ''जब विधानसभा चुनाव दो साल बाद होने जा रहे हैं तो पार्टी गठबंधन नहीं तोड़ेगी और जनता के हितों की रक्षा के लिए सत्ता में बनी रहेगी।'' फडणवीस सरकार में 39 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शिवसेना के 12 मंत्री हैं। इनमें पांच कैबिनेट स्तर के हैं। केन्द्र में राजग सरकार में शिवसेना का एक मंत्री है। शिवसेना मुखपत्र ने एल्फिन्स्टन रोड ओवरब्रिज हादसे पर मोदी सरकार पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि उसकी बेरूखी के चलते ही कल यह हादसा हुआ। शिवसेना ने बुलेट ट्रेन परियोजना की भी तीखी आलोचना की और कहा, ''जब आप लोकल ट्रेन के यात्रियों को बुनियादी ढांचा प्रदान नहीं कर सकते तो बुलेट ट्रेन का क्या उपयोग।'

रक्षा मंत्री ने लेह को कराकोरम से जोड़ने वाले 'प्रथम श्योक' पुल का किया उद्घाटन

लेह (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज प्रथम श्योक पुल का उद्घाटन किया जो लेह को कराकोरम से जोड़ेगा और सामरिक रुप से महत्वपूर्ण डारबक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी परिक्षेत्र में सैन्य परिवहन के लिए कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगा. सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के अधिकारियों एवं कर्मियों को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि इतनी ऊंचाई पर पुलों और सड़कों का निर्माण किसी चमत्कार से कम नहीं है. उन्होंने कहा कि अलग अलग तरह के मौसम वाले राज्यों में रहने वाले जवान यहां आते हैं और इतनी ऊंची और दुर्गम जगहों पर राष्ट्र की सेवा करते हैं. यह सराहनीय है.

जवानों ने के लिए जो भी संभव होगा करेंगे : सीतारमण

जम्मू कश्मीर की दो दिन की यात्रा पर आईं रक्षा मंत्री ने कहा कि यह अत्याधुनिक पुल श्योक नदी पर एक बहुत बड़ा विकास है जो इस रणनीतिक क्षेत्र में स्थानीय एवं सेना की आवाजाही बढ़ाएगा. प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार पूरी तरह जवानों के पक्ष में हैं जो सभी परिस्थितियों में राष्ट्र की सेवा करते हैं.

उन्होंने कहा, ''हम जवानों के साथ वक्त बिताने के लिए कटिबद्ध हैं और उनके लिए जो भी संभव होगा करेंगे. ''

उन्होंने सियाचिन में प्रधानमंत्री द्वारा की गयी यात्रा को स्मरण करते हुए कहा कि सरकार उन स्थितियों को जानना चाहती थी जिनमें सेना के जवान रहते हैं.

सीतारमण ने कहा, ''मैं आपको आश्वासन देती हूं कि सरकार हर समय और हर परिस्थिति में आपके साथ है. हम न केवल आपकी बल्कि आपके परिवारों, जरुरतों एवं मांगों के प्रति संवेदनशील हैं.''

बड़े हमले की साजिश नाकाम, बब्बर खालसा के 7 आतंकी गिरफ्तार

लुधियाना (एजेंसी)।

पंजाब पुलिस ने किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने का षडयंत्र रच रहे बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के सात आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है तथा इनके कब्जे से दो देसी पिस्तौल और 33 कारतूस बरामद किए हैं। लुधियाना के पुलिस आयुक्त आर एन ढोक ने शनिवार को पत्रकार सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि ये गिरफ्तारियां गुप्त सूचनाओं के आधार पर स्थानीय पुलिस और काउंटर इंटेलिजेंस पुलिस के संयुक्त आपरेशन के दौरान संभव हुईं।

गिरफ्तार आतंकवादियों की शिनाख्त कुलदीप सिंह उर्फ कीपा निवासी बस्ती जोधेवाल-लुधियाना, जसवीर सिंह उर्फ जस्सा निवासी जिला तरनतारन, अमनप्रीत सिंह उर्फ अमना निवासी जिला जालंधर, मनप्रीत सिंह निवासी जिला मोगा, ओंकार सिंह निवासी जिला अमृतसर, जुगराज सिंह निवासी जिला अमृतसर और अमृतपाल सिंह निवासी जिला अमृतसर के रूप में की गई है।

उन्होंने बताया कि इंगलैंड में रह रहा बीकेआई आतंकवादी सुरिंदर सिंह बब्बर पंजाब में दोबारा माहौल खराब करने के लिए इन आतंकियों को आर्थिक मदद मुहैया करा रहा था। इनका मुख्य उद्देश्य सिख पंथ और खालिस्तान के खिलाफ बोलने वाले व्यक्तियों विशेषकर हिंदू नेताओं और संगठनों के पदाधिकारियों को निशाना बनाना था। ढोक ने बताया कि आतंकवादियों से पूछताछ चल रही है और इनके नेटवर्क और कौन-कौन इनके सम्पर्क में है यह पता लगाया जा रहा है। पुलिस को इनसे पूछताछ में कई खुलासे होने की उम्मीद है।

चिदंबरम का पीएम पर हमला, बोले-नोटबंदी की तरह सब खत्म कर देगी बुलेट ट्रेन

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने एक बार फिर से बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट और नोटबंदी पर हमला बोला है. चिदंबरम का कहना है कि बुलेट ट्रेन नोटबंदी जैसी है, जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को खत्म कर देगी. चिदंबरम ने कहा, बुलेट ट्रेन सुरक्षा समेत सभी चीजों को समाप्त कर देगी. चिदंबरम ने अपने ट्वीट में लिखा, 'बुलेट ट्रेन नोटबंदी जैसी होगी. यह सुरक्षा समेत सभी चीजों की हत्या कर देगी.' चिदंबरम ने आगे कहा कि रेलवे को बुलेट जैसे महंगे प्रोजेक्ट्स पर काम करने की बजाय यात्रियों की सुरक्षा पर ध्यान देते हुए अपने ढांचे का विकास करना चाहिए. उन्होंने कहा, 'रेलवे को सुरक्षा, बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं पर खर्च करना चाहिए, न कि बुलेट ट्रेन पर.' भाजपा के केंद्र और राज्य में सहयोगी पार्टी शिवसेना के साथ मनसे ने भी केंद्र सरकार की बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर सवाल खड़े करते हुए कहा था कि रेलवे को पहले सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए. गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने इस महीने की शुरुआत में अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया था. इस प्रोजेक्ट में मुंबई-अहमदाबाद रूट पर 12 स्टेशन- मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वड़ोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती बनाने का प्रस्ताव है.

मुबंई हादसा : रेलवे बोर्ड अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे गोयल

मुंबई (एजेंसी)।

मुंबई के स्टेशन पर अफरा तफरी के माहौल के बीच भगदड़ मचने की घटना के एक दिन बाद रेलवे मंत्री पीयूष गोयल उपनगर के ट्रेन नेटवर्क पर जारी ढांचागत कार्यों का जायजा लेने के लिये आज रेलवे बोर्ड के सभी अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

बैठक चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे के मुख्यालय में आयोजित होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, मंत्री ने कल लंबी बैठक की थी और आज वह चर्चगेट में बोर्ड के सभी अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सभी प्रधान विभाग के प्रमुख हिस्सा लेंगे।

अधिकारी ने बताया, मंत्री ने कल की घटना को बेहद गंभीरता से लिया है और इसलिए उन्होंने आज एक बार फिर बोर्ड के सभी अधिकारियों की बैठक बुलायी। उन्होंने कहा कि परेल टर्मिनस परियोजना को बेहद तेजी से पूरा करने की संभावना है और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिये कई उपाय किये जायेंगे।

अधिकारी ने कहा, उन स्टेशनों पर भी अतिरिक्त फुटओवर ब्रिज के निर्माण की योजना बनायी जायेगी जहां लोगों की आवाजाही अधिक है। उन्होंने कहा, रेल मंत्री ने सभी उपनगरीय स्टेशनों के प्रवेश एवं निकास द्वारों को बेहतर बनाने के लिये सभी अधिकारियों को एक स्पष्ट योजना की रूपरेखा तैयार करने के लिये कहा है।

एलफिन्सटन रोड पर स्थित फुटओवर ब्रिज पर कल हुई भगदड़ में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गयी थी और 30 से अधिक लोग घायल हो गये थे।

हर दिल अजीज अभिनेता टॉम ऑल्टर का निधन, कैंसर से पीड़ित थे

मुंबई (एजेंसी)।

दिग्गज थिएटर, फिल्म एवं टीवी अभिनेता टॉम ऑल्टर का निधन हो गया। वह 67 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक ऑल्टर का शुक्रवार रात उनके आवास में निधन हो गया। वह त्वचा कैंसर से पीड़ित थे। परिजनों की तरफ से जारी एक बयान के अनुसार, ''बहुत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि अभिनेता, लेखक, निर्देशक, पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित पति और पिता टाम ऑल्टर का शुक्रवार रात परिवार और करीबी परिजनों के उपस्थिति में निधन हो गया। इस समय हम उनकी गोपनीयता का सम्मान करने की मांग करते हैं।''

ऑल्टर अमेरिकी मिशनरी माता-पिता के पुत्र थे। उनका जन्म 1950 में मसूरी में हुआ था। उन्होंने मसूरी के वुडस्टॉक स्कूल में और बाद में पुणे की फिल्म और टेलीविजन संस्थान में पढ़ाई की। अभिनेता ने 300 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया, जिसमें सत्यजीत रे की 'शतरंज के खिलाड़ी' और 'जूनून' शामिल हैं। उनकी पहली हिंदी फिल्म रामानंद सागर की 'चरस' 1976 में रिलीज हुयी थी। उनकी कुछ बेहद पसंद की गई फिल्मों में 'आशिकी', 'परिंदा' 'सरदार पटेल' और 'गांधी' शामिल हैं। टेलीविजन की दुनिया में ऑल्टर ने 'भारत एक खोज' से ले कर 'शक्तिमान' तक में काम किया। उन्होंने बंगाली, असमिया और तेलुगु सिनेमा में भी काम किया। वह एक क्रिकेट प्रेमी भी थे। उन्होंने कई खेल पत्रिकाओं के लिए लेख भी लिखे थे।

उनकी आखिरी फिल्म 'सरगोशियां' थी, जिसमें उन्होंने आलोकनाथ और फरीदा जलाल के साथ काम किया था। यह फिल्म इस साल मई में रिलीज हुयी थी। ऑल्टर ने थिएटर में भी उल्लेखनीय काम किया। उनका नाटक 'दिल्ली में गालिब' का मंचन पूरे देश में किया गया। इस नाटक में उन्होंने मिर्जा गालिब का किरदार अदा किया था। ऑल्टर एक खेल पत्रकार भी थे। वह टीवी के लिये सचिन तेंदुलकर का साक्षात्कार करने वाले पहले व्यक्ति थे। कला और सिनेमा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 2008 में ऑल्टर को पद्म श्री से सम्मानित किया गया। आल्टर के परिवार में पत्नी कैरोल, बेटे जेमी और बेटी अफसान हैं।

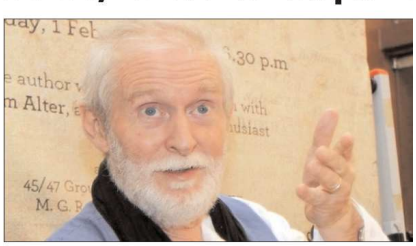

शास्त्रों द्वारा नाना प्रकार के संशयों का निराकरण और परोक्ष विषयों का ज्ञान होता है। इसलिए शास्त्र सभी के नेत्ररूप हैं। इसीलिए कहा जाता है कि जिसे शास्त्रों का ज्ञान नहीं है, वह एक प्रकार से अंधा है -हितोपदेश

पुलिस व्यवस्था का आधुनिकीकरण

सरकार द्वारा पुलिस सुधार सहित आंतरिक सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की स्थिति को दुरु स्त करने के लिए 25 हजार 60 करोड़ रुपये आवंटित करने का निर्णय स्वागत योग्य है। देश में आंतरिक सुरक्षा की बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए कई मांगें लंबे समय से थीं। इनमें सर्वप्रमुख थी, पुलिस व्यवस्था का आधुनिकीकरण। वैसे तो पुलिस और कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है और केंद्र जो भी योजना बनाए, उसको क्रियान्वित करने का दारोमदार राज्यों पर ही है, पर केंद्र की एकीकृत दिशा वाली योजना और इसके लिए आवश्यक राशि के अभाव में यह संभव नहीं था। केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने इस स्थिति को समझा और इसे अंतिम रूप देकर लंबे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता को पूरा करने का काम किया। अब जब केंद्र ने यह साफ कर दिया है कि इस योजना में 80 प्रतिशत यानी 18 हजार 636 करोड़ रु पये उसके द्वारा वहन की जाएगी। और राज्यों के हिस्से में केवल 6 हजार 424 करोड़ रु पये आएंगे तो फिर राज्यों को इसे तत्काल अगले बढ़ाने एवं तय समय सीमा में संकल्पबद्ध होकर पूरा करने से पीछे नहीं हटना चाहिए। वस्तुत: 14 वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर केंद्रीय राजस्व में से राज्यों का हिस्सा 32 प्रतिशत से 42 प्रतिशत करने के बाद पुलिस सुधारों के लिए केंद्रीय सहायता बंद हो गई थी। इसका परिणाम हुआ कि ज्यादातर राज्यों ने इस ओर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। ऐसे समय जब आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां बढ़ रही हैं, पुलिस व्यवस्था का आधुनिकीकरण न किया जाना आत्मघाती व्यवहार हो जाएगा। देखा गया है कि किस तरह नक्सलियों व आतंकवादियों के सामने हमारी पुलिस सुविधाओं के अभाव में कई बार कमजोर पड़ती है। पुलिस बल को आधुनिक हथियारों से लैस करना, उन्हें आधुनिक वाहन प्रदान करना, आवश्यकता पड़ने पर ऑपरेशन के लिए हेलिकॉप्टर उपलब्ध कराना, नये वायरलेस सेट प्रदान करना..आदि आवश्यकतएं लंबे समय से महसूस की जा रही थी और केंद्र ने इसे स्वीकार कर आंतरिक सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शायी है। वास्तव में यह पुलिस आधुनिकीकरण की एक समग्र योजना है और उम्मीद करनी चाहिए कि अगले तीन सालों में हमें आधुनिक सुविधाओं से लैस और प्रशिक्षित पुलिस बल मिलेंगे।

आतंकवादियों वहशियाना

कश्मीर के बांदीपोरा जिले में फिर आतंकवादियों ने अपनी वहशियाना और कायराना हरकत को अंजाम दिया। पिछले कुछ समय से घाटी में घटते समर्थन और अपने कमांडरों के मारे जाने की हताशा में आतंकवादी गुट इस तरह का घिनौना काम कर रहे हैं। बीएसएफ जवान की घर में घुसकर हत्या इसी बात का प्रमाण है कि आतंकवादी समूहों में घोर निराशा और हताशा आ गई है। और अब वह खुन्नस में जवानों को अपना निशाना बना रहे हैं। इससे पहले रमजान के आसपास दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में लेफ्टिनेंट फैयाज को दहशतगर्दो ने घर से अगवा कर बेरहमी से कत्ल कर दिया था। इस नृशंस वारदात की राज्य में काफी भर्त्सना हुई थी। और जनता में इसको लेकर काफी रोष था। इस घटना के बाद इलाके में वैसा ही गुस्सा आतंकवादियों के खिलाफ देखा जा रहा है। आमतौर पर आतंकी इस तरह से हमला नहीं करते हैं। दरअसल, सेना की आतंकवादियों को खोज-खोजकर मारने की रणनीति अब काम करने लगी है। दहशतगर्दो को पहले सटीक मुखबिरी के जरिये पहचाना जाता है, फिर उस जानकारी की तस्दीक के बाद तलाश कर उन्हें मार गिराया जा रहा है। लिहाजा, आतंकियों के हौसले बुरी तरह पस्त हो चुके हैं और अब वे सिर्फ इलाके में अपना खौफ दिखाने के वास्ते इस तरह की नीच हरकत पर उतर आए हैं। लेकिन सुरक्षाबलों ने अपनी बदली रणनीति से उन्हें घाटी से नेस्तनाबूद करने की ठान रखी है। आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं। इस साल सुरक्षाबलों ने करीब 120 आतंकियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। इनमें से 50 दहशतगर्द तो सिर्फ जून-जुलाई में मार गिराए गए। जबकि पिछले साल जुलाई माह तक सिर्फ59 आतंकवादियों को मार गिराया गया था। इसी तरह पथराव के मामले भी ढलान पर हैं। पिछले साल जहां 1660 मामले दर्ज किए गए वहीं इस साल जुलाई तक केवल 700 मामले दर्ज हुए हैं। जनता के बीच भी इस बात को विस्तार देने की जरूरत है कि सरकार जनता के साथ है और आतंकियों के मंसूबों को बर्बाद करने की महती जिम्मेदारी भी जनता-जनार्दन की है। निश्चित तौर पर सेना के आक्रामक रुख से आंतकी गुटों में खलबली मची है। लेकिन जब तक उन्हें और उनके आकाओं को खत्म नहीं किया जाएगा तब तक सूबे में अमन-चैन की बहाली मुश्किल होगी। वैसे, कश्मीर पर जाहिर के महीनों में सरकार की बदली नीति से कश्मीर में जम्हूरियत और शांति बहाली की उम्मीदों को पंख तो लगे ही हैं।

सत्संग

रावण

जाता है कि रावण भी ब्रह्मज्ञानी था। क्या रामलीला सच में ही राम की लीला थी? ओशो- निश्चित ही, रावण ब्रह्मज्ञानी था। और रावण के साथ बहुत अनाचार हुआ है। और दक्षिण में जो आज रावण के प्रति फिर से समादर का भाव पैदा हो रहा है, वह अगर ठीक रास्ता ले ले, तो अतीत में हमने जो भूल की है, उसका सुधार हो सकता है। लेकिन वह भी गलत रास्ता लेता मालूम पड़ रहा है दक्षिण का आंदोलन। वे रावण को तो आदर देना शुरू कर रहे हैं, राम को अनादर देना शुरू कर रहे हैं। आदमी की मूढ़ता का अंत नहीं है, वह अतियों पर डोलता है। वह कभी संतुलित तो हो ही नहीं सकता। यहां तुम रावण को जलाते रहे हो, वहां अब उन्होंने राम को जलाना शुरू किया है। तुमने एक भूल की थी, अब वे दूसरी भूल कर रहे हैं। रावण ब्रह्मज्ञानी था। यह भी परमात्मा की मर्जी थी कि वह यह पार्ट अदा करे। उसने यह भली तरह अदा किया। और कहते हैं, जब राम के बाण से वह मरा, तो उसने कहा कि मेरी जन्मों-जन्मों की आकांक्षा पूरी हुई। राम के हाथों मारा जाऊं, इससे बड़ी और कोई आकांक्षा हो भी नहीं सकती, क्योंकि जो राम के हाथ मारा गया, वह सीधा मोक्ष चला जाता है। गुरु के हाथ जो मारा गया, वह और कहां जाएगा! और जैसे पांडवों को कहा है कृष्ण ने कि मरते हुए भीष्म से जाकर धर्म की शिक्षा ले लो, वैसे ही राम ने लक्ष्मण को भेजा है रावण के पास कि वह मर न जाए, वह परम ज्ञानी है; उससे कुछ ज्ञान के सूत्र ले आ। उस बहती गंगा से थोड़ा तु भी पानी पी ले। लेकिन कठिनाई क्या है? कठिनाई हमारी यह है कि हमारी समझ चुनाव की है। अगर हम राम को चुनते हैं, तो रावण दुश्मन हो गया। अगर हम रावण को चुनते हैं, तो राम दुश्मन हो गए। और दोनों को तो हम चुन नहीं सकते। क्योंकि हमको लगता है, दोनों तो बड़े विरोधी हैं, इनको हम कैसे चुनें! और जो दोनों को चुन ले, वही रामलीला का सार समझा। क्योंकि रामलीला अकेली राम की लीला नहीं है, रावण के बिना हो भी नहीं सकती। थोड़ा रावण को हटा लो रामलीला से, फिर रामलीला बिल्कुल ठप्प हो जाएगी, वहीं गिर जाएगी। राम खड़े न हो सकेंगे बिना रावण के। राम को रावण का सहारा है। प्रकाश हो नहीं सकता बिना अंधेरे के। अंधेरा प्रकाश को बड़ा सहारा है। जीवन हो नहीं सकता बिना मृत्यु के। राम और रावण, मृत्यु और जीवन, दोनों विरोध वस्तुत: विरोधी नहीं हैं।

"अर्थव्यवस्था में सुधार के चरण"

अर्थव्यवस्था में अनुशासन आएगा और गति भी बढ़ेगी। यशवंत सिन्हा ने मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की बखिया उधेड़ कर दो बातों की ओर इशारा किया है। पहली नजर में यह पार्टी के नेतृत्व और सरकार की रीति-नीति की आलोचना है और आर्थिक मोर्चे पर आ रहे गतिरोध की ओर इशारा, पर यह सामान्य ध्यानाकर्षण नहीं है। इसके पीछे गहरी वेदना को भी हमें समझना होगा। आलोचना के लिए उन्होंने पार्टी का मंच नहीं चुना। अखबार चुना, जहां पी. चिदम्बरम हर हफ्ते अपना कॉलम लिखते हैं।

सतीश पेडणोकर

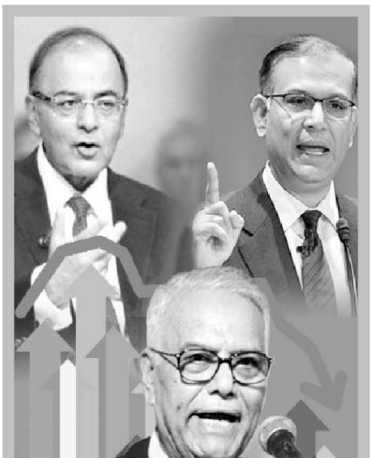

पार्टी-इनसाइडरों का कहना है कि यह आलोचना दिक्कत-तलब जरूर है, पर पार्टी इसे अनुशासनहीनता का मामला नहीं मानती। इसका जवाब देकर मामले की अनदेखी की जाएगी। उन्हें पहला जवाब रेल मंत्री पीयूष गोयल ने दिया है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी और जीएसटी जैसे कदम देश की अर्थव्यवस्था में सुधार के चरण हैं। ऐसे में कुछ दिक्कतें आती हैं, पर हालात न तो खराब हैं और न उन पर चिंता करने की कोई वजह है। इन कदमों से अर्थव्यवस्था में अनुशासन आएगा और गति भी बढ़ेगी। यशवंत सिन्हा ने मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की बखिया उधेड़ कर दो बातों की ओर इशारा किया है। पहली नजर में यह पार्टी के नेतृत्व और सरकार की रीति-नीति की आलोचना है और आर्थिक मोर्चे पर आ रहे गतिरोध की ओर इशारा, पर यह सामान्य ध्यानाकर्षण नहीं है। इसके पीछे गहरी वेदना को भी हमें समझना होगा। आलोचना के लिए उन्होंने पार्टी का मंच नहीं चुना। अखबार चुना, जहां पी. चिदम्बरम हर हफ्ते अपना कॉलम लिखते हैं। सरकार की आलोचना के साथ प्रकारांतर से उन्होंने यूपीए सरकार की तारीफ भी की है। पार्टी-इनसाइडरों का कहना है कि यह आलोचना दिक्कत-तलब जरूर है, पर पार्टी इसे अनुशासनहीनता का मामला नहीं मानती। इसका जवाब देकर मामले की अनदेखी की जाएगी। उन्हें पहला जवाब रेलमंत्री पीयूष गोयल ने दिया है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी और जीएसटी जैसे कदम देश की अर्थव्यवस्था में सुधार के चरण हैं। ऐसे में कुछ दिक्कतें आती हैं, पर हालात न तो खराब हैं और न उन पर चिंता करने की कोई वजह है। इन कदमों से अर्थव्यवस्था में अनुशासन आएगा और गति भी बढ़ेगी।

स्वाभाविक रूप से यह देश की आर्थिक दशा-दिशा की आलोचना है। उनके लेख के जवाब में उनके बेटे जयंत सिन्हा ने भी एक लेख लिखा है, जो उनके लिए बदमजगी पैदा करने वाला है। सरकार मानती है कि आर्थिक संवृद्धि की दर में गिरावट है। यह गिरावट पिछले साल नोटबंदी के भी तिमाही पहले से शुरू हो गई थी। पूंजी निवेश की स्थिति अच्छी नहीं है। देश के बैंकों की स्थिति खराब है। सरकार ने नोटबंदी और जीएसटी जैसे दो बड़े फैसले किए हैं। इनकी वजह से अर्थव्यवस्था की गति धीमी पड़ी जरूर है, पर इसका दूरगामी लाभ भी मिलेगा। केवल संवृद्धि की दर में कुछ अंकों की गिरावट का मतलब यह नहीं है कि अर्थ-व्यवस्था डूब रही है।

डूब रही होती तो राजस्व में वृद्धि कैसे होती? अरु ण जेटली के अनुसार प्रत्यक्ष करों में 15.7 फीसद की वृद्धि मामूली बात नहीं है। जुलाई और अगस्त के महीनों में जीएसटी कलेक्शन 90,000 करोड़ के ऊपर आया है। देश लगातार रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी पूंजी निवेश प्राप्त कर रहा है। 400 अरब डॉलर के ऊपर हमारा विदेशी मुद्रा भंडार है। रुपये की स्थिति मजबूत है। हालांकि इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में संवृद्धि दर 5.7 फीसद रही है, फिर भी इस साल की दर 7.00 फ ीसद के आसपास रहने की आशा है। यशवंत सिन्हा की बातों से विपक्ष को स्वर मिले हैं। ये स्वर अभी तीखे होंगे। कुछ महीनों के भीतर गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनाव होने वाले हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ भी चुनाव की लाइन में हैं। इन राज्यों में सरकार को जनता के पास जाना है। हाल में सरकार की इस बात के लिए आलोचना हो रही थी कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोल महंगा था, तब जो खुदरा भाव थे वही खुदरा भाव आज हैं। सरकार के पास इस बात का जवाब है। आज सब्सिडी का स्तर वही नहीं है, जो तब था। यही नहीं, आज राज्य सरकारों की आर्थिक स्थिति भी बेहतर है। अरु ण जेटली ने जो जवाब दिया है, उसमें पलटवार है। उन्होंने यशवंत सिन्हा के साथ-साथ पी चिदम्बरम पर भी तंज किया। इन दिनों पी. चिदम्बरम एक दैनिक अखबार के अपने साप्ताहिक स्तंभ में आर्थिक नीतियों की आलोचना करते हैं। यशवंत सिन्हा के स्वर चिदम्बरम के स्वरों से मिलते हुए हैं। जेटली ने यशवंत सिन्हा और चिदम्बरम के कार्यकाल की नीतियों की ओर भी इशारा किया है। यशवंत सिन्हा ने अपनी टिप्पणियों में न केवल चिदम्बरम और मनमोहन सिंह का नाम लिया, बल्कि यूपीए सरकार की तरफदारी भी की। उन्होंने अरुण जेटली को लोक सभा चुनाव में मिली हार को भी निशाने पर लिया। इस बात से उनके भीतर की ईर्ष्या भी खुलकर सामने आई है। यह पहला मौका नहीं, जब यशवंत सिन्हा की बातों से पार्टी की फजीहत हुई है। वे धारा के खिलाफ चलते रहे हैं। नवम्बर 2012 में उन्होंने एक कारोबारी संस्था की शिकायतें मिलने पर पार्टी अध्यक्ष नितिन गडकरी को हटाने की मांग कर दी थी। यूपीए के दौर में जब बीजेपी जीएसटी के खिलाफ थी, तब यशवंत सिन्हा उसका समर्थन कर रहे थे। उनके बारे में करीबी जानकारी रखने वाले मानते हैं कि वे अपनी उपयोगिता बनाए रखने के लिए भी विवाद खड़े करते हैं। उनका विवाद मोदी या अरुण जेटली के साथ ही खड़ा नहीं हुआ है। कर्पूरी ठाकुर, वीपी सिंह, चंद्रशेखर और आडवाणी तक उनके रिश्तों में खटास और मिठास का मिश्रण रहा है। यह भी सच है कि नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का प्रत्याशी बनाने के विरोध में बीजेपी के जो वरिष्ठ नेता खड़े थे, उनमें यशवंत सिन्हा भी थे। गोवा में जून 2013 में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में नरेन्द्र मोदी को महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी देने के बारे में फैसला होना था। उस बैठक में लालकृष्ण आडवाणी नहीं आए। यशवंत सिन्हा भी नहीं आए। आडवाणी जी ने तबीयत ठीक न होने का बहाना किया, पर यशवंत सिन्हा ने कहा, मैं कुछ और कारणों से नहीं गया। बाद में उन्होंने कहा, मीडिया ने मेरी अनुपस्थिति को गलत तरीके से पेश किया है। मैं तो मोदी का समर्थक हूं। सन 2014 के चुनाव में टिकट कटने से भी उन्हें धक्का लगा। सन 2015 में नवगठित ब्रिक्स बैंक के अध्यक्ष का पद भारत को मिला। इस पद के लिए यशवंत सिन्हा के नाम की अटकलें भी लगीं। आईसीआईसीआई बैंक के गैर-कार्यकारी चेयरमैन केवी कामथ को यह पद मिल गया। बताते हैं इस फैसले के पीछे नरेन्द्र मोदी का हाथ था। इधर वे कश्मीर मामले के समाधान में जुटे थे। इस सिलसिले में वे प्रधानमंत्री से मिलना चाहते थे, पर उन्हें समय नहीं मिला। ये सब बातें भी इस विवाद के पीछे कहीं-न-कहीं हैं।

चलते चलते

न्यू इंडिया है,

गालिब न वो समझे हैं, न समझेंगे तेरी बात। यशवंत सिन्हा टाइप की यही प्राब्लम है। बेचारी मोदी जी की सरकार क्या करती है और क्या नहीं करती है, सब उनकी समझ से बाहर है। और वह क्यों? आखिर, सत्तर साल से जो होता आया है और अब पहली बार नहीं हो रहा है, उसमें उनका किया-धरा भी तो आता है। वे समझेंगे कि सत्तर साल के बाद क्या है? न्यू इंडिया है, न्यू इंडिया! जिन पे पुराना इंडिया ही ढंग से हजम नहीं हुआ और बीच-बीच में भारत को याद करते रहे, न्यू इंडिया क्या खाकर समझेंगे? ?खैर! प्राब्लम यह है कि सरकार बेचारी बना रही है न्यू इंडिया और पुरनिया लोग, पुराने-पुराने नक्शे लेकर चले आ रहे हैं कि यह गलत बन रहा है, वह छूटा जा रहा है, आदि-आदि। अरे भाई, जीडीपी गिर रहा है, तो गिरने दो। औद्योगिक उत्पादन घट

बेचारी मोदी जी की सरकार क्या करती है और क्या नहीं करती है, सब उनकी समझ से बाहर है। और वह क्यों? आखिर, सत्तर साल से जो होता आया है और अब पहली बार नहीं हो रहा है, उसमें उनका किया-धरा भी तो आता है। वे समझेंगे कि सत्तर साल के बाद क्या है? न्यू इंडिया है, न्यू इंडिया! जिनपे पुराना इंडिया ही ढंग से हजम नहीं हुआ और बीच-बीच में भारत को याद करते रहे, न्यू इंडिया क्या खाकर समझेंगे ?प्राब्लम यह है कि सरकार बेचारी बना रही है न्यू इंडिया और पुर निया लोग,

रहा है, तो घटने तो। रोजगार मिलने की जगह छिनते हैं, तो छिनने दो। व्यापार घाटा बढ़ रहा है, तो बढ़ने दो। सरकारी बैंक डूब रहे हैं, तो डूबने दो। महंगाई बढ़ रही है, तो बढ़ने दो। किसान आत्महत्या कर रहे हैं, तो करने दो। मजदूर आंदोलन कर रहे हैं, तो करने दो। गोरक्षक, गायों को बचाने के बजाए लोगों को मार रहे हैं, तो मारने दो। सफाईकर्मी गटर में मर रहे हैं तो मरने दो। बनारस यूनिवर्सिटी की छात्राएं पहले शोहदों से और फिर पुलिस से पिट रही हैं तो पिटने दो। अस्पतालों में बच्चे मर रहे हैं तो मरने दो। पर न्यू इंडिया तो बन रहा है। क्या न्यू इंडिया के लिए ये देश इतनी छोटी-छोटी कुर्बानियां भी नहीं दे सकता है? फिर, जब न्यू इंडिया आ जाएगा, सब कुछ अपने आप ठीक हो जाएगा।और न्यू इंडिया कैसे आएगा? जीडीपी से नहीं, उद्योगों से नहीं, निर्यातों से नहीं, कारोबार से नहीं, रोजगार से नहीं, किसानी से नहीं, दस्तकार से नहीं, बैंकों से नहीं, यहां तक कि शांति, सौहार्द वगैरह से भी नहीं। न्यू इंडिया आएगा नोटबंदी से, जीएसटी से, सर्जिकल स्ट्राइक से, दुनिया में एक अमेरिका और देश में एक नागपुर को खुश करने से। छप्पन इंची छाती के फैसलों से। पता नहीं क्यों लोग फिर भी कह रहे हैं कि विकास पगला गया है?

मुद्दा

मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर

न्यार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 72वें अधिवेशन में जो इन दिनों जारी है, पाक के प्रधानमंत्री शाहीद खाकान अब्बासी ने जहां कश्मीर के पुराने राग को अलापा वहीं उन्होंने भारत पर उनके देश के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप भी लगाया। यह भी कहा कि कश्मीर में लोगों के संघर्ष को जो भारत में चल रहा है, उसको कुचला जा रहा है, जिससे मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हो रहा है। अब्बासी जब महासभा में अपना भाषण दे रहे थे तो ठीक उसी समय हजारों बलूच और सिंधी समुदाय के लोग अशांत बलूचिस्तान और सिंध में पाकिस्तान सुरक्षाबलों के अत्याचारों और मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर, पाकिस्तान के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र महासभा के सामने बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। बलूच नेशनल मूवमेंट पार्टी (बीएनपी), जीये सिंध कौमी मूवमेंट पार्टी (जीएसक्यूएम) पाक खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के द्वारा उनके हजारों कार्यकर्ताओं को उठाकर ले जाने, लापता करने, नागरिकों की प्रताड़ना कर हत्या करने के खिलाफ और पाक के चुंगल से आजादी की मांग कर रहे थे। दरअसल, बलूचिस्तान में लापता बलूच नागरिकों की समस्या बहुत गंभीर है और पिछले कई सालों से उनका कुछ अता-पता नहीं लग रहा है।''वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स' के अध्यक्ष अब्दुल कादरी ने कहा है कि पाक से स्वतंत्रता की मांग करने वाले कम-से-कम 35000 बलूच राष्ट्रवादी पिछले कुछ सालों से लापता हैं। इसके पीछे पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है। जो लोग लापता लोगों की तलाश करके सामने लाने की बात करते हैं, उनकी हत्या कर दी जाती है। अब्दुल कादरी ने 2013 में लापता लोगों को सामने लाने के लिए कोयटा से इस्लामाबाद तक 1000 किमी लांग मार्च किया था। लापता लोगों के परिवारों के सदस्य भी इस मार्च में शामिल थे। इस प्रदर्शन का आयोजन संगठन ''बलूच नेशनल मूवमेंट' ने किया था और अपने महासचिव डॉक्टर मनान बलूच की पाक सेना द्वारा हत्या किए जाने की निंदा की थी। डॉ. मनान बलूच को इसलिए मार दिया गया था क्योंकि उन्होंने गवादर बंदरगाह के लिए जबरन भूमि अधिग्रहण के खिलाफआंदोलन का नेतृत्व किया था। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि बलूचिस्तान में सुरक्षा और स्थिति तभी बहाल हो सकती है जब बलूचिस्तान पाकिस्तान के कब्जे से आजाद हो। बलूचियों को गिला है कि पाक संविधान के 18वें संशोधन के तहत जो विशेषाधिकार उन्हें मिले हुए हैं, उनमें बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों पर केंद्र व प्रांत दोनों का अधिकार है, जबकि इन संसाधनों पर केवल बलूचिस्तान को ही अधिकार मिलना चाहिए। सुई के स्थान पर जो गैस पैदा होती है उसकी पूर्ति पूरे पाकिस्तान में होती है फिर भी प्रांत को रॉयल्टी की बहुत थोड़ी रकम मिलती है। बलूच राष्ट्रवादी चाहते हैं कि स्कूलों व कॉलेजों में पाक के इतिहास को ना पढ़ाया जाए बल्कि बलूचिस्तान के इतिहास को पढ़ाया जाए। वर्डबना यह है कि पाक सरकार उनको राष्ट्रवादी न मानकर विद्रोही करार देती है। उसने पिछले दिनों ऐसे 90 बलूच राष्ट्रवादियों के सिर पर जिंदा या मुर्दा लाने वालों को ईनाम देने की घोषणा की थी। सरकार को आशंका है कि अगर उनको न पकड़ा गया तो वे पाकिस्तान में चीन की मदद से बनाए जा रहे आर्थिक गलियारे के निर्माण में बाधा डालेंगे। माना जा रहा है कि जब तक सेना आईएसआई व दूसरी खुफिया एजेंसियों, फ्रंटियर कॉर्प बलूचियों पर जुल्म करना बंद नहीं करती तब तक उनमें पाक से अलग होने की भावना को खत्म नहीं किया जा सकता। अब तो उनकी आजादी की मांग पाक की सरहद पार करके अमेरिका और विदेश के कई देशों में पहुंच गई है। अंततोगत्वा यही कहा जा सकता है कि अगर बलूच राष्ट्रवादियों पर पाक सुरक्षाबलों व आईएसआई द्वारा किए जा रहे अत्याचारों पर विराम नहीं लगा तो बलूचिस्तान भी देर-सवेर पाकिस्तान से अलग हो जाएगा जैसे पूर्वी पाकिस्तान अलग हो गया था।

नई नहीं दाऊद को लाने की कोशिशें - अनुराग चतुर्वेदी

आभा स्वामी

पिछले दिनों दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर की मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने अपनी एक फेसबुक पोस्ट में यह कहते हुए सियासत को गरमा दिया कि दाऊद तो खुद भारत लौटना चाहता है, लेकिन मोदी सरकार उसकी वापसी का श्रेय लूटना चाहती है। राज ठाकरे यहीं नहीं रुके। उन्होंने इसी आशय का एक कार्टून चित्र भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। गौरतलब है कि 1993 मुंबई बम धमाकों का मुख्य आरोपी दाऊद इन धमाकों के बाद से ही देश से फरार है। विदेशों में उसके कई ठिकाने हैं। कभी दाऊद और दुबई एक-दूसरे के पर्याय बन गए थे, पर धीरे-धीरे पाकिस्तान उसका मुख्य ठिकाना हो गया। पाकिस्तान की सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई दाऊद की सबसे बड़ी 'रक्षक हैं। जहां तक दाऊद की वापसी का सवाल है तो हम इस तरह की बातें काफी समय से सुन रहे हैं कि वह गंभीर रूप से बीमार है और भारत वापस लौटना चाहता है। इस समय केंद्र व महाराष्ट्र, दोनों जगहों पर भाजपा का शासन है। दाऊद केंद्र की पिछली सरकारों के कारण ही विदेश में बचा रहा, हमारे 'कुछ राजनेताओं के सरकारी संरक्षण के चलते एक छोटा-सा स्मगलर बड़ा आतंकवादी बन गया, यह सोच रखने वाली मौजूदा सरकार दाऊद को भारत लाकर उसे भारतीय कानून के प्रावधानों के तहत सजा दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार और 'कई लोग दाऊद को वापस लाने पर कार्य कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि पहली बार दाऊद को भारत वापस लाने की कोशिशें हो रही हैं। मुंबई बम धमाकों के बाद देश छोड़कर भागे दाऊद को वापस लाने की कोशिश महाराष्ट्र के एक बड़े राजनेता की मदद से हुई थी। जब गुत्तचर संस्थाओं को इस मंशा की जानकारी मिली तो उन्होंने इसकी विश्वसनीयता की जांच की। मुंबई पुलिस के मुखबिर से मिली इस खबर की मुंबई पुलिस आयुक्त के अलावा अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने भी पुष्टि की थी। तब दो-ढाई माह समर्पण की प्रक्रिया तय करने में लग गए और बात काफी आगे बढ़ गई थी। योजना कुछ ऐसी थी कि दाऊद पहले ब्रिटेन जाएगा, फिर जॉर्डन पहुंचेगा, वहां से तुर्की पहुंचकर समर्पण करेगा। इस प्रक्रिया से खाड़ी देशों की सरकारों को दूर रखा गया था। किंतु इस प्रक्रिया में जो 'राजनेता संवाद सूत्र बना हुआ था, वह अब इस पूरी 'समझौता वार्ता से दूर हो गया है और फिलहाल दोनों ही पक्षों (दाऊद और भारत सरकार) को एक-दूसरे पर भरोसा नहीं। भारत सरकार की गुत्तचर सेवा में रहे कई पूर्व अधिकारी पिछले दो-तीन साल से इस 'मिशन में लगे हुए हैं। अचानक दाऊद के भाई की गिरफ्तारी और दाऊद की बीवी की मुंबई यात्रा की खबरों से भी लगता है कि अंदरखाने जरूर कुछ चल रहा है। मुंबई में दाऊद एक 'मिथ है। मुंबई दंगों के बाद हुए बम विस्फोटों ने दाऊद को यहां के लोगों की नजरों में 'विलेन और 'हीरो एक साथ बना दिया। दाऊद बदला लेता है, दाऊद न्याय दिलाता है, ऐसा मानने वाले अब समय के साथ-साथ दाऊद की लोकप्रियता को उतरता देख रहे हैं। मुंबई समेत देशभर में निर्माण कार्यों में मंदी आ गई है। दाऊद वसूली और आतंक के जरिए देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एकछत्र राज करता था। और बहुत कुछ बदलकर भी एक बात नहीं बदल रही है कि दाऊद की कहानी में जिज्ञासा है, संदेह है, बदला है, अपराध है, हत्याएं हैं। अखबार, टीवी और सिनेमा के लिए वह आज भी क्रमश: पहला पन्न, अच्छी टीआरपी और अच्छा बिजनेस है।

बीएचयू घटना के पीछे साजशि, राजनीतिक रंग देना खतरनाक: मनोज तिवारी

वाराणसी.सांसद और दिल्ली बीजेपी चीफ मनोज तिवारी शनिवार को बीएचयू पहुंचे। उन्होंने बीएचयू बवाल में साजशि की बात करते हुए कहा कि इसे राजनीतिक रंग देना खतरनाक है। इसमे कहीं एक छात्र का दर्द दबकर न रह जाए। ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरुरत है।घटना की निष्पक्ष जांच हो और सच्चाई आए सामने...

- तिवारी ने कहा, "जब से इस घटना के बारे में सुना है तब से यहां आने को छटपटा रहा हूं, क्योंकि मैं बीएचयू से ही पढ़ा हूं। आज सभी से आकर मिला हूं और पीड़ित छात्रा से भी दिल्ली में मिलने की कोशिश करूंगा।"

- "इस बात की खुशी है कि मामले के न्यायिक जांच के आदेश दिए गए हैं। चाहूंगा निष्पक्ष जांच हो और सच्चाई सामने आए। रिपोर्ट पर भविष्य में घटना न हो, इसके लिए जागरुक रहना चाहिए।"

- "यहां से जुड़े सभी लोगों से प्रार्थना है कि हर हाल में बीएचयू की गरिमा बनाए रखना है और छात्राओं की सुरक्षा सवोपरी है। इसमें लापरवाही नहीं होनी चाहिए।"

क्राइम ब्रांच ने की पूछताछ

- 27 सितंबर को इंस्पेक्टर राहुल शुक्ला के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीम बीएचयू के उस कंट्रोल रूम में पहुंची जहां से कैंपस में लगे सीसीटीवी कैमरे ऑपरेट होते हैं। टीम ने यहां 21 सितंबर से लेकर 24 सितंबर तक की फुटेज को कब्जे में लिया।

- इसके बाद टीम ने बीएचयू प्रॉक्टोरियल बोर्ड के अधिकारियों-कर्मचारियों से घटना के दिन ड्यूटी आदि के बारे में पूछताछ की। साथ ही टीम ने 23 सितंबर को कैंपस में मौजूद सुरक्षाकर्मियों की भी लिस्ट मांगी है।

यमुना नदी में 6 बच्चे डूबे, एक की मौत, 3 लापता

फतेहपुर. यहां शनिवार को दुर्गा पूजा की सामग्री विसर्जित करने यमुना नदी के रायपुर भसरौल घाट गए 6 बच्चे नदी में डूब गए। हादसे में एक लड़की की मौत हो गई और सगे भाई-बहन समेत 3 बच्चे तेज धारा में बह गए। घाट पर मौजूद गोताखोरों और आसपास के लोगों ने सगे भाइयों को डूबने से बचा लिया है। सूचना पर पहुंची पुलिस गोताखोरों की मदद से तेज धारा में बहे 3 बच्चों की तलाश कर रही है।

पूजा सामग्री विसर्जित करने गए थे बच्चे...

- मामला किशनपुर थाना क्षेत्र के मालिन का डेरा मजरे रायपुर भसरौल का है। जहां रहने वाले सियाराम की बेटी प्रीती (10) व बेटा प्रिंस (12), राजेन्द्र की बेटियां भूरी (15) व प्रभा (12) और राजेश के बेटे अंकित (10) व रानू (15) शनिवार सुबह 8 बजे रायपुर भसरौल घाट गए थे।

- परिजनों के मुताबिक दुर्गा पूजा के समापन पर सभी बच्चे हवन की राख समेत अन्य पूजा सामग्री को विसर्जित करने गए थे। जहां विर्सजन के बाद सभी बच्चे यमुना में स्नान करने लगे।

- नदी के आसपास मौजूद लोगों के मुताबिक अचानक एक बच्चा स्नान करते हुए गहरे पानी की ओर जाकर डूबने लगा। उसे बचाने के प्रयास में पास ही स्नान कर रहे बच्चे भी कूद पड़े और एक-दूसरे को बचाने के चक्कर में सभी डूब गए।

- घाट पर खड़े गोताखोरों और स्थानीय लोग जब तक वह दौड़कर मौके पर पहुंचे और उन्हें बचाने की कोशिश करते 4 बच्चे नदी के तेज बहाव में बह गए। गोताखोरों ने सगे भाई अंकित और रानू को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जबकि 30 मिनट तलाश के बाद घाट

लखनऊ में सड़क हादसा: एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत, 3 गंभीर घायल

लखनऊ. राजधानी के अलीगंज में सड़क हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक पुरनिया पुल के डिवाइडर से स्विफ्ट कार टकरा गई। इससे कार सवार 7 लोगों में से 4 की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 3 लोग घायल हैं। बताया जा रहा है कि कार में सवार परिवार मड़ियांव के केशवनगर का रहने वाला है। ये सभी सीतापुर रोड के एक ढाबे से बर्थडे मना कर लौट रहे थे। मड़ियांव के केशवनगर के रहने वाले पंकज का परिवार शुक्रवार-शनिवार की रात को बर्थ-डे मनाने सीतापुर रोड के एक ढाबे पर गया था। वहां से लौटते हुए ये हादस हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- अलीगंज के पुरनिया फ्लाई ओवर पर रात ढाई बजे के करीब उनकी कार का एक्सिडेंट हुआ।

कार फ्लाई ओवर पर ही डिवाइडर से टकरा गई और तीन-चार बार पुल पर ही पलट गई। एक्सिडेंट की आवाज सुन कर आस-पास रहने वाले लोग मौके पर पहुंचे।

एक प्रत्यक्षदर्शी टार्जन खन्ना ने बताया- "मैं जब मौके पर पहुंचा तो देखा कार में सवार 4 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, एक लड़की बुरी तरह से घायल थी। उसने मुझसे कहा- मेरा घर पास में ही है। वहां फोन कर दीजिए। मैंने उससे कहा, पहले तुम हॉस्पिटल चलो मैं फोन करता हूं।"

इसके बाद एंबुलेंस को कॉल किया और पुलिस को भी सूचना दी। जब एंबुलेंस पहुंची तो उसमें **3 घायलों को हॉस्पिटल भेजा गया।**

बताया जा रहा है कि पंकज बिश्नानी, पंकज के पिता हरीश, भाई विजय और भांजे राजा दास की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घायलों में उनके जीजा शिव कुमार दास की हालत नाजुक बनी हुई है। साथ ही पंकज की बहन सपना दास और भांजी मिष्टी भी घायल हैं।

अब तक तीन बार हुआ कार का एक्सिडेंट

कार के मैकेनिक ने बताया कि, पंकज ने इस कार को कुछ महीने पहले ही लिया था। इस बीच उसका तीन बार एक्सिडेंट हो चुका है।

मैकेनिक ने बताया- उसने पंकज को कार बदलने की सलाह भी दी थी।

2019 से पहले बनेगा भव्य राम मंदिर, योगी के मंत्री ने भविष्यवाणी को बताई वजह

इलाहाबाद.यूपी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री और प्रवक्ता सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा- "कोर्ट का फैसला अयोध्या में राम मंदिर के पक्ष में होगा और 2019 से पहले वहां एक भव्य राम मंदिर बनेगा।" सिद्धार्थ ने अपनी बात को सही बताने के लिए स्वामी ब्रह्म योगानंद की भविष्यवाणी का भी सहारा लिया। बता दें, सिद्धार्थ नाथ सिंह गुरुवार को इलाहाबाद में विश्व हिंदू परिषद कार्यालय में स्वामी ब्रह्म योगानंद की पुस्तक का विमोचन करने गए थे।

मंत्री ने कहा- अब देश में माहौल बदल रहा

- सिद्धार्थ नाथ सिंह ने आगे कहा- "स्वामी ब्रह्म योगानंद ने नरेंद्र मोदी के पीएम बनने की भविष्यवाणी की थी। अब उन्होंने 2019 से पहले भव्य राम मंदिर के निर्माण की भविष्यवाणी की है। मेरे विचार से राम मंदिर पहले से वहां है, हमें एक भव्य राम मंदिर बनाना है। अब देश में माहौल बदल रहा है। जो लोग पहले इसका विरोध कर रहे थे अब वो ही राम मंदिर चाहते हैं।"

बुर्का नहीं पहनने पर दिया ट्रिपल तलाक, कोर्ट में बयान दर्ज कराएगी पुलिस

आगरा.यहां बुर्का नहीं पहनकर मार्केट जाने पर महिला को ट्रिपल तलाक देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला को अपने रिश्तेदार से हलाला करवाने की कोशिश की गई। जब महिला के बच्चों ने इसका विरोध किया तो पेट्रोल डालकर आग लगाने की भी कोशिश हुई। इसके बाद उसे घर में ही बंधक बना लिया गया। पीड़िता की बहन की तहरीर पर पुलिस ने दबिश देकर महिला को बरामद कर लिया। एसओ शाहगंज विनय कुमार ने बताया कि पीड़िता के कोर्ट में बयान दर्ज कराए जाएंगे। मेडिकल रिपोर्ट और ससुराल में मिले

सबूत आरोपियों के लिए पर्याप्त हैं, उन्हें जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। भोपाल की रहनी वाली शबनम (काल्पनिक) की शादी दस साल पहले आगरा के शाहगंज थाना क्षेत्र के अर्जुन नगर में शकील से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से शकील और परिजन हमेशा उसे प्रताड़ित करते थे और बेटे की शादी सस्ते में करवाने के ताने देते थे। 15 अगस्त को शबनम बिना बुर्का पहने मार्केट चली गई, जिसका शकील को बुरा लगा। उसने पहले तो उसे पीटा फिर तीन बार तलाक बोल दिया।

जब शबनम ने तलाक को कानूनन गलत बताया तो शकील ने अपने एक रिश्तेदार तेज बहादुर को घर बुलाया और जबरन उसका हलाला करने की कोशिश की।

विरोध करने पर ससुरालवालों ने मिलकर उसके कपड़े फाड़ दिए और उसको ब्लैकमेल करने के

बाराबंकी: ढोंगी बाबा ने किया नाबालिग से रेप, आरोपी फरार

लखनऊ. सतरिख थाना इलाके के एक गांव में ढोंगी चन्दर बाबा उर्फ मामा 8 साल की लड़की को हवस का शिकार बनाया। रेप की शिकार लड़की गांव के स्कूल में दूसरी क्लास में पढ़ती है। नाबालिग अपने परिवार के साथ उसी गांव में रहती है, जिसमें ढोंगी बाबा की कुटी है। चन्दर बाबा उर्फ मामा मूल निवास लखनऊ के चिनहट कोतवाली क्षेत्र के डिगडिगा गांव का रहने वाला है। गांव वालों का कहना है, "गंदी हरकतों के चलते इसने अपना चिनहट वाला घर उसने छोड़ दिया था, जिसके बाद बाबा सतरिख के इस गांव में पिछले 30 सालों से अपनी पत्नी और बेटी के साथ गांव में कुटिया बनाकर रहता है।" "पहले भी कई बार झाड़फूंक के बहाने कुटिया में आने वाली महिलाओं से यह बाबा अश्लील हरकतें कर चुका है, लेकिन कोई भी महिला इज्जत के डर की वजह से नहीं कर सकी ।

बिहार

राम का तीर लगते ही जल उठा रावण, गूंजने लगे जय श्री राम के नारे

पटना.विजयादशमी के मौके पर सबसे बड़ा आकर्षण गांधी मैदान में होने वाला रावण दहन रहा। बुराई के प्रतिक रावण को अपने भाई और बेटे के साथ जलता देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग गांधी मैदान पहुंचे

4:45- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गांधी मैदान में बने मंच पर पहुंचे।

4:50-मैदान में झांकियां दिखाई जा रही है। इसमें रथ पर सवार भगवान राम और लक्ष्मण दिखे।

4:51- एक दूसरी झांकी में भगवान राम और लक्ष्मण को हनुमान के कंधे पर बिठाया दिखाया गया।

4:55- रथ पर सवार होकर 10 सिर वाला रावण भी गांधी मैदान में प्रवेश कर गया।

5:00- विधानसभा अध्यक्ष विजय चौधरी ने श्री राम और लक्ष्मण की आरती उतारी।

5:05-भगवान राम और लक्ष्मण ने गांधी मैदान का एक चक्कर लगाया। उनकी सेना अशोक वाटिका के पास रुकी।

5:13-गांधी मैदान में बनी सोने की लंका को जला दिया गया।

5:17- मेघनाद का अंत हो गया। उसके जलते ही पटाखे फूटने लगे। अब अगला निशाना कुंभकरण है।

5:20- कुंभकरण भी जल रहा है। चंद मिनटों में मेघनाद और कुंभकरण जलकर खाक हो गए।

5:22- भगवान राम का तीर लगते ही रावण जल उठा।

उसके जलते ही पटाखे फूटने लगे और जय श्री राम के नारे से गांधी मैदान गूंज उठा।

5:25- रावण के जलते ही गांधी मैदान के सभी गेट खोल दिए गए। लोग अब अपने घरों की ओर लौटने लगे हैं।

5:27- गांधी मैदान में आतिशबाजी शुरू हो गई है। आतिशबाजी का यह कार्यक्रम 15 मिनट तक चला।

5:42-गांधी मैदान में चल रही आतिशबाजी खत्म हो गई। इसके साथ ही रावण दहन के कार्यक्रम का भी समापन हो गया।

बंगाली महिलाओं ने सिंदूर की होली खेलकर मां दुर्गा को किया विदा

पटना.विजयादशमी के मौके पर शनिवार को मां दुर्गा की विदाई की जा रही है। मां दुर्गा की प्रतिमा को बैंड बाजे और जुलूस के साथ विसर्जन के लिए ले जाया जा रहा है। पटना के विभिन्न पूजा पंडालों से मां की प्रतिमा को ट्रैक्टर, ट्रक और अन्य गाड़ियों पर रखकर गंगा घाट की ओर ले जाया जा रहा है। मां की प्रतिमा के आगे लोग डीजे की धुन पर थिरकते हुए बढ़ रहे हैं। मां दुर्गा को विदाई देने से पहले बंगाली समाज की महिलाओं ने सिंदूर की होली खेली। सुहागिन महिलाओं ने पहले मां दुर्गा को सिंदूर लगाया इसके बाद एक दूसरे को सिंदूर लगाया और डांस किया। सुहागिन महिलाओं के सिंदूर से होली खेलने के पीछे धार्मिक महत्व है।

मुखिया के बेटे की हत्या, बदला लेने के लिए 85 साल के बुजुर्ग को मार डाला

आरा। बिहार के भोजपुर जिले में पूर्व मुखिया और वर्तमान मुखिया परिवार के बीच काफी समय से चल रही रंजिश में दो लोगों की हत्या कर दी गई। घटना शाहपुर प्रखंड के गौरा पंचायत के पहाड़पुर गांव की है। शुक्रवार रात को मुखिया राजदेव ठाकुर के बेटे मनोज ठाकुर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बदला लेने के लिए की बुजुर्ग की हत्या...

- इस वारदात के बाद बदला लेने के लिए शनिवार सुबह मुखिया राजदेव के लोगों ने पूर्व मुखिया केदार पांडेय के घर पर हमला बोल दिया। मुखिया समर्थकों ने केदार के बड़े भाई राज नारायण पांडेय के सिर में गोली मार दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उनकी उम्र 85 साल थी।

- इस दौरान दोनों पक्ष के बीच कई घंटे तक गोलीबारी हुई। सूचना मिलने के बाद भी पुलिस शनिवार सुबह गांव जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। घटना के बाद से गांव में तनाव है।

दुर्गा पूजा पंडाल से घूम कर घर लौट रहे थे तभी मार दी गोली

- मनोज ठाकुर बाजार से दुर्गा पूजा पंडाल से घूम कर अपने भतीजे के साथ घर लौट रहे थे कि इसी बीच गौरा गांव के समीप सड़क पर घात लगाकर 5 की संख्या में रहे अपराधियों ने गोली मार दी। घटना को अंजाम देकर अपराधी भाग निकले। शाम 8.30 बजे हुई इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

बीजेपी के उपाध्यक्ष रहे सत्यपाल मलिक बने बिहार के राज्यपाल

पटना.राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को बिहार के नए राज्यपाल की नियुक्ति की घोषणा की। भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष रहे सत्यपाल मलिक को बिहार का नया राज्यपाल बनाया गया है। बिहार के राज्यपाल रामनाथ कोविंद के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने के बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी को बिहार का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। बिहार के गंगा प्रसाद को मेघालय का राज्यपाल बनाया गया है। सत्यपाल मलिक ने मेरठ विश्वविद्यालय से बीएससी और एलएलबी की पढ़ाई की है। वह कई अहम पार्लियामेंट कमेटी के सदस्य और अध्यक्ष रह चुके हैं।

फौजी बेटे के डेडबॉडी से लिपट पिता बोले- बॉर्डर पर मरता तो अफसोस नहीं होता

आरा (बिहार).पटना के दानापुर के मंगलम कॉलोनी में मारे गए सेना के जवान रिंकेश कुमार सिंह का पार्थिव शरीर मंगलवार की दोपहर बाद करीब तीन बजे पैतृक गांव धोबहां लाया गया। लकड़ी के ताबूत में रखा शव राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे से लिपटा हुआ था। जिसे देखकर ग्रामीणों की आंखें भी नाम हो गयी थी। पिता विजय कुमार सिंह ने रोते हुए कहा कि वे खुद सेना के मेजर से रिटायर्ड हुए थे। अपने बहादुर इकलौते बेटे को देश के दुश्मनों से लड़ने के लिए सेना में भेजा था।

अगर बेटा बॉर्डर पर लड़ते हुए मारा जाता तो अफसोस नहीं होता। दुख इस बात का है कि बुजदिल दोस्त ने ही रिंकेश की जान ले ली। उन्होंने सेना व पुलिस अफसरों से इस कांड की उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग की।

चचेरे भाई ने दी मुखाग्नि

भोजपुर जिला मुख्यालय से करीब दस किलोमीटर दूर आरा-सलेमपुर मार्ग पर धोबहां गांव अवस्थित है। मारा गया फौजी रिंकेश सिंह मां-बाप का इकलौता बेटा था।

बिना खून बहाए यहां दी जाती है बली, हर रोज आते हैं हजारों भक्त

कैमूर.बिहार के कैमूर जिले के पवरा पहाड़ी श्रृंखला पर स्थित मां मुंडेश्वरी मंदिर देश के सबसे प्राचीन मंदिरों में एक है। नवरात्र के दौरान सुबह से लेकर शाम तक इस मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में बली देने की प्रथा अनोखी है। जिस भक्त को बली देनी होती है वह अपने साथ बकरा लेकर आता है।

मंदिर के पुजारी बकरे पर अक्षत छिड़कते हैं, जिससे वह बेहोश हो जाता है। इसके बाद पूजा की जाती है। पूजा खत्म होने पर बकरे को होश आ जाता है और उसकी बली पूरी मानी जाती है। इस तरह बिना वध किए और खून बहाए बली पूरी हो जाती है।

नवरात्र में लाखों श्रद्धालु आते हैं यहां

नवरात्र के दौरान मुंडेश्वरी मंदिर में पूजा करने लाखों श्रद्धालु आते हैं। शुक्रवार को नवमी के दिन यहां भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। भगवती दुर्गा ही यहां मुंडेश्वरी के नाम से प्रसिद्ध हैं। धाम के चारों तरफ की भूमि का कण कण पवित्र है। माता मुंडेश्वरी का सिद्ध स्थल भी है। वह जगह तांत्रिक दृष्टिकोण से भी विशेष महत्व रखता है।

विजयादशमी पर 17 करोड़ का फाफड़ा जलेबी का बिजनेस, 9500 व्हीकल की बिक्री

अहमदाबाद.नवरात्रि के दौरान शहर के बाजारों में खरीदी में मंदी रहने के बाद दशहरा पर ऑटोमोबाइल, ज्वेलरी, फाफड़ा-जलेबी आदि की खरीदी बड़े पैमाने पर देखी गई। शनिवार को दशहरा के दिन खरीदी शुभ होने का मानकर कई लोगों ने टू व्हीलर के साथ फोर व्हीलर वाहनों की खरीदी की है। दशहरा के दिन रावण दहन का जितना महत्व है उतना ही महत्व फाफड़ा-जलेबी खाने का भी है।

एक अनुमान के अनुसार दशहरा पर्व पर पूरे गुजरात में 60-70 करोड़ के फाफड़ा-जलेबी खाए जाते है। दशहरा के दिन फाफड़ा-जलेबी का बड़े पैमाने पर बिक्री होने के कारण एक ही दिन में 15 से 17 करोड़ का बिजनेस होता है। गांधीनगर शहर सहित जिले में विजयादशमी का पर्व हथील्लास के साथ मनाया गया। ऐसे में गांधीनगरवासियों ने बनाया हुआ फाफड़ा-जलेबी खाने के लिए व्यापारियों ने बड़े पैमाने पर आयोजन किया। फाफड़ा-जलेबी के आयोजकों ने बड़े-बड़े पंडालों में भारी भीड़ के बीच इसका आनंद उठाया। त्योहार में लोगों को फाफड़ा खाने का क्रेज बढ़ता दिखाई दे रहा है। जिसमें विशेष तौर पर दशहरा पर्व पर लोगों ने लाखों रुपयों का फाफड़ा और जलेबी का लुत्फ उठाया। विजयादशमी के दिन गांधीनगर जिले में लोगों ने 50 लाख रुपयों की फाफड़ा-जलेबी खाई है। बाजार में इस वर्ष फाफड़ा-जलेबी का रेट बीते वर्ष की तरह ही दिखा। फाफड़ा 320 से 380, जलेबी तेल में 200 से 240 और घी में 400 से 560 रुपए किलो की रेट से बिके। शहर के मुख्य मार्गों तथा आंतरिक सेक्टरों में मंडप लगाकर फाफड़ा और जलेबी की धमाकेदार बिक्री की गई।

सूरत के रमेश भाई का दिल धड़केगा मुंबई के मोइनुद्दीन में, ये है पूरा मामला

सूरत.हार्ट डे के दिन सूरत के रहने वाले ब्रेनडेड रमेश का हार्ट मुंबई के रहने वाले मोइनुद्दीन को लगाया गया। सूरत के किरण हॉस्पिटल से 269 किमी की दूरी 107 मिनट में तय करके हार्ट को मुंबई के ग्लोबल हॉस्पिटल पहुंचाया गया। सूरत के वराछा रोड सिमड़ा गांव के रहने वाले 53 साल के रमेश भाई गोबर भाई धोराजिया कतारगाम स्थित सनराइज डायमंड फैक्ट्री में खलकलाकर थे।

मंगलवार, 26 सितंबर को दोपहर 11 बजे बाथरूम गए थे, वहीं उन्हें चक्कर आया और वह बेहोश हो गए। इलाज के लिए उन्हें किरण हॉस्पिटल ले जाया गया। सिटी स्कैन करने के बाद न्यूरो सर्जन डॉक्टर भौमिक ठाकुर ने बताया कि उन्हें ब्रेन हैमरेज हो गया है। दो दिन बाद 28 सितंबर को डॉक्टर भौमिक ठाकुर और न्यूरो फिजिशियन डॉक्टर कुनाल नाथ ने रमेश भाई को ब्रेनडेड घोषित किया।

रमेश भाई को ब्रेनडेड घोषित करने के बाद अस्पताल ने डोनेट लाइफ संस्था को इसकी जानकारी दी। संस्था प्रमुख नीलेश मांडलेवाला के सहयोग से रमेश के परिजनों को अंगदान करने के लिए तैयार किया गया। उसके बाद नीलेश ने अहमदाबाद स्थित आईकेडीआरसी अस्पताल के डॉक्?टर प्रांजल मोदी, अहमदाबाद के सिम्स और स्टेलिंग अस्पताल से भी संपर्क किया गया, लेकिन हार्ट लेने वाला कोई मरीज नहीं था। इसके बाद रोटो संस्था की मदद से मुंबई के ग्लोबल अस्पताल से संपर्क कर दिल भेजा गया।

एक महीने से हार्ट के इंतजार में थे मोइनुद्दीन

मुंबई के अंधेरी निवासी 46 साल के मोइनुद्दीन शेख ग्लोबल अस्पताल में दो दिन से एडमिट थे। डॉक्टरों के अनुसार मोइनुद्दीन का हार्ट महज 10 से 15 प्रतिशत ही काम कर रहा था।

डायमंड बिजनेस में 40% की आई कमी, दिवाली के लिए भी कम मिले ऑर्डर

सूरत.जीएसटी के कारण हीरा कारोबार 40 फीसदी कम हो गया है। हर साल दिवाली पर हीरा के उत्पादन और बिक्री में बढ़ोतरी होती थी, लेकिन इस बार बढ़ने की बजाय कमी आई है। हीरा व्यापारी प्रवीण नाणावटी ने बताया कि इस साल हीरा व्यवसाय में 40 फीसदी तक कमी आई है। पहले नोटबंदी उसके बाद जीएसटी के कारण हीरा व्यापारियों की परेशानी बढ़ गई है।

व्यापारी कारोबार में कम और चार्टर्ड एकाउंटेंट के यहां ज्यादा समय बिता रहे हैं। हीरा व्यापार से जुड़े अधिकतर लोग टैक्स की सीधा प्रणाली को फॉलो करने के आदी हैं। ये लोग अब तक यह नहीं समझ पाए कि जीएसटी अदा कैसे किया जाए। हीरा व्यापारियों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि बिजनेस टू बिजनेस हीरे की खरीदी पर जीएसटी कैसे भरा जाए। हीरे के गहने बनाने और बेचने वाले लोगों की समस्या रोज सोने के बदलते दाम हैं। व्यापारी यह नहीं समझ पा रहे हैं कि सोने की रोज बदलती कीमतों पर कितना जीएसटी भरना पड़ेगा। दिवाली और दशहरा के दौरान सोने-चांदी के गहनों के 200 से 300 करोड़ के आर्डर मिल जाते हैं। जेम एंड ज्वेलरी कमेटी के चेयरमैन नैनेष पच्चीगर ने बताया कि दक्षणि गुजरात के 3500 ज्वेलर्स एवं ज्वेलरी मैन्युफैक्चरर त्योहार के दिनों में ही 200 से 300 करोड़ रुपए का व्यापार करते हैं। इनमें दशहरा, पुष्य नक्षत्र व धनतेरस पर ही 30 से 40 प्रतिशत सोना-चांदी की खरीदी की जाती है। ब्रिटेन के मुकाबले भारत में सोने की कीमत काफी कम हो गई है।

सूरत के स्थानीय बाजारों सोने के दाम में प्रति 10 ग्राम 1000 से 1200 रुपए की कमी आई है। फिलहाल 10 ग्राम सोने का भाव 30,700 से गिर कर 29,600 रुपए पर आ गया है। सोने के दाम कम होने के बावजूद मार्केट में बिक्री कम हो रही है।

नाती ने देखा था क्राइम पेट्रोल का सीन, फिर उसी तरह से कर दी नानी की हत्या

सूरत.क्राइम पेट्रोल देखकर एक 14 साल के नाबालिग ने अपनी नानी की हत्या कर दी। नाती ने ठीक उसी तरीके से अपनी नानी को मारा जिस तरीके से क्राइम पेट्रोल के एपिसोड में एक बच्चा अपनी दादी को मारता है। अप्रैल में हुई हत्या के पांच महीने तक आरोपी का सुराग नहीं मिल पाया था। आखिरकार पुलिस ने शुक्रवार को नानी की हत्या के आरोप में नाबालिग को अरेस्ट कर लिया।

पुलिस ने सरकार की ओर से नाबालिग के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की नानी उसे टीवी देखने के लिए रोकती थी।

डॉक्टर ने कह दिया था कि महिला की हत्या की गई है

जब पार्वतीबेन का पोस्टमोर्टम हुआ तब डॉक्टर ने मौखिक रूप से कहा था कि पार्वतीबेन की हत्या हुई है। पुलिस ने डॉक्टर से आग्रह किया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी देंगे तभी मामला दर्ज किया जा सकेगा। रिपोर्ट की कॉपी भी ढाई महीने पहले आ गई थी, लेकिन तत्कालीन पुलिस इंस्पेक्टर ने ध्यान ही नहीं दिया। नए इंस्पेक्टर ने मामला दर्ज कराया और उसकी तहकीकात की।

अपनी बेटी के यहां रहने गई थी महिला

प्राप्त जानकारी के अनुसार 64 साल की पार्वतीबेन ठोकरभाई पटेल कतारगाम में गोतालावाडी के पास अंजीरिया वाडी में अपने पति और बेटे के साथ रहती थीं। किसी ने उन्हें बताया कि उनके घर में भूत-प्रेत का साया है तो वह डर गईं और कुछ दिन अपनी बेटी के घर रहने के लिए चली गईं। उनकी बेटी डिंडोली में मातृभूमि स्कूल के पास जलाराम सोसायटी में रहती है। 23 अप्रैल 2017 को पार्वतीबेन बेटी के घर आई थीं और 26 अप्रैल को उनकी हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक नाबालिग आरोपी अनिल (बदला नाम) से पूछताछ में पता चला कि वह कक्षा नौ में पढ़ता है। उसे टीवी देखने की आदत थी। खासकर वह क्राइम पेट्रोल देखा करता था। वह स्कूल से आने के बाद टीवी देखने में जुट जाता था। उसकी यह आदत पार्वतीबेन को पसंद नहीं थी। 26 अप्रैल को अनिल के माता-पिता किसी काम से बाहर गए हुए थे। घर पर पार्वतीबेन और अनिल ही थे। अनिल स्कूल से आने के बाद टीवी देखने लगा। वह क्राइम पेट्रोल का एपिसोड देख रहा था। क्राइम पेट्रोल में जैसा देखा उसी तरीके से मारा

अनिल क्राइम पेट्रोल देख रहा था। क्राइम पेट्रोल में ऐसा एपिसोड चल रहा था, जिसमें दादी अपने पोते की टीवी देखने की आदत से परेशान थी और उसे इस बात को लेकर डांटती रहती थी। दादी की इस आदत से चिढ़ कर पोता पहले उसका गला दबाकर हत्या कर देता है और बाद में उसके बाद हाथ की नस काटता और पेट में चाकू मार देता है। जब यह एपिसोड चल रहा था उसी समय पार्वतीबेन ने अनिल को टीवी देखने के लिए डांटा। इससे गुस्साए अनिल ने भी क्राइम पेट्रोल एपिसोड की तरह पार्वतीबेन का पहले गला दबाया, उसके बाद हाथ की नस काटी और बाद में पेट में चाकू से वार कर उनकी हत्या कर दी।

पूजा करने से लोगों को रोका, फिर लोगों ने एयरपोर्ट कैंपस में ही शुरू किया गरबा

सूरत. एयरपोर्ट के अंदर स्थित दुर्गा माता मंदिर में पूजा नहीं करने दिया तो स्थानीय नागरिकों ने गरबा करके विरोध जताया। बताया जा रहा है कि नवमी के मौके पर शुक्रवार की सुबह 10:30 बजे ये नागरिक पूजा करने के लिए एयरपोर्ट के अंदर जा रहे थे, जिस पर प्रशासन ने इन्हें रोक दिया।

प्रशासन द्वारा रोके जाने के बाद स्थानीय नागरिकों के विरोध प्रदर्शन किया। लोगों के विरोध प्रदर्शन करने के बाद आखिरकार शाम को एयरपोर्ट प्रशासन ने उन्हें पूजा करने के लिए अंदर जाने की अनुमित दे दी।

गरबा खेलते वक्त बंद हो गया हार्ट, माता-पिता के सामने मासूम ने दम तोड़ा

राजकोट.यहां गरबा खेलते-खेलते एक छह साल के मासूम की मौत हो गई। मृतक की पहचान द्विज हार्दिक सीतापरा के रूप में हुई है। दिल में छेद होने के चलते द्विज के पेसमेकर लगा हुआ था। सीतापरा परिवार हमेशा एहतियात रखता था कि बड़ा बेटा ज्यादा मेहनत न करे या थके नहीं।

बुधवार रात रेसिडेंशियल कैंपस में गरबा चल रहा था। द्विज भी पहुंच। गरबा खेलने लगा। माता-पिता भी गरबा देख रहे थे। तभी अचानक द्विज माता-पिता की आंखों के सामने ही बेसुध होकर गिर गया। तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। द्विज का एक तीन महीने का छोटाभाई है। द्विज कक्षा-1 का छात्र था।

नवरात्र पर यहां पहुंचीं नीता अंबानी, फैमिली के साथ की पूजा, लिया आशीर्वाद

अंबाजी.रिलायंस ग्रुप की नीता अंबानी ने अपने परिवार के साथ शुक्रवार को नवरात्रि के नौवे दिन अंबाजी में मां अंबे का दर्शन किया। यहां नीता के पहुंचने पर मंदिर ट्रस्ट के प्रशासकों ने उनका वेलकम किया। इसके बाद नीता अंबानी में अम्बा माता के मंदिर में पूजा की।

कांच के टुकड़ों पर लड़कियों ने किया गरबा, किसी को खरोंच तक नहीं आई

जूनागढ़.शारदीय नवरात्र के दौरान एक ओर विशाल-भव्य गरबा पंड़ाल सजते हैं। दूसरी ओर परंपरागत आयोजन भी होते हैं। कहीं आग के गोले के अंदर मशाल के साथ गरबा होता है-तो कहीं साप के साथ प्रस्तुति। जूनागढ़ में 10 साल से बालाएं कांच के टुकड़ों पर गरबा -रास करती हैं। कांच के टुकड़ों पर ये गरबा अष्टमी की रात्रि में होता है।

11 से 14 साल की बालिकाओं को इसमें शामिल होने की इजाजत मिलती हैं। गरबा-रास करते वक्त हाथ में प्रज्वलित दीपक होता है। गरबा मंडल की संचालिका रेखाबहन भुवा ने बताया कि- नंगे पैर कांच पर गरबा सूरत से आईं सुजीताबहन टांक ने सिखाया था। 10 साल से ये आयोजन होता है। अभी तक किसी को कोई खरोंच तक नहीं आई है।

महाआरती के लिए जुटे 25000 श्रद्धालु, दीपकों की रोशनी से उभरी मां की आकृति

गांधीनगर.दुर्गा पूजा के अवसर पर पावन महाअष्टमी की रात गांधीनगर कल्चरल फोरम में शुक्रवार को परंपरागत रूप से मां दुर्गा की महाआरती की गई। इसमें 25 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ अर्जित किया। श्रद्धालु आयोजन स्थल पर दीप लेकर इस तरह से इकट्?ठे हुए कि ऊंचाई से फोटो लेने पर मां की मुखाकृति नजर आई।

आरती के दौरान 21 हजार श्रद्धालु हाथ में दीपक लिए हुए थे। कल्चरल फोरम में महाआरती की थीम हर साल अलग-अलग होती है। मैदान की डिजाइन के अनुसार श्रद्धालुओं को खड़ा होना होता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्स सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com